पाठ 3. कुलूमू की चतुराई

पाठ का परिचय

एक समय अफ्रीका के बलाका गाँव में कुलूमू नामक एक युवक रहता था। वह सभी लोगों की मदद करता था। लोग उसे बहुत पसंद करते थे। वहाँ का स्वार्थी सरदार इस बात से बहुत नाराज़ था। वह कुलूमू को अपने रास्ते का काँटा समझता था। एक दिन उसने अपने लोगों से कहा कि कुलूमू को रास्ते से हटाना ही होगा वरना वह हमारा सरदार बन बैठेगा। सभी ने मिलकर उसे खत्म करने के लिए बलाका गाँव पर धावा बोलने की सोची। कुलूमू को इस घटना का पता चला। उसने वहाँ से चले जाने का निश्चय किया। वह घने जंगल में जाकर छिप गया। एक दिन उसने कुछ व्यक्तियों को सरदार के साथ बंदूकें लिए हुए बलाका गाँव की ओर जाते देखा। उसने कल्पना की कि सारा गाँव सरदार का गुलाम बन जाएगा और उन्हें गुलामी की ज़िंदगी जीनी पड़ेगी। गाँव के वीरान होने की बात सोचकर उसका खून खौल उठा। साहसी कुलूमू झाड़ियों से बाहर आया। वह सरदार के सामने सीना तानकर खड़ा हो गया। जब सरदार को यह पता चला कि यह कुलूमू है तो वह अपनी जीत पर प्रसन्न हुआ। कुलूमू को देखकर उसे लगा कि बलाका में ऐसे ही हृष्ट-पुष्ट जवान होंगे और उसे वहाँ से बहुत से गुलाम मिलेंगे। वह कुलूमू को लेकर बलाका की ओर कूच करना चाहता था, ताकि वहाँ से गुलामों को पकड़कर ला सके। कुलूमू ने वहाँ जाने से इनकार किया और बताया कि वहाँ तो प्लेग फैल गया है। सरदार और उसके साथी डर गए। वे उसे वहीं छोड़कर भाग गए। कुलूमू अपनी सफलता पर प्रसन्न हुआ और अपने गाँव की ओर चल दिया। इस प्रकार उसने अपनी तथा अपने गाँववालों की रक्षा की।

पाठ में निहित जीवन-मूल्य

दूसरों के लिए जीना ही वास्तविक जीवन है। जो लोग अपने लिए जीते हैं वे साधारण लोग होते हैं। हमेशा दूसरों की सहायता करनी चाहिए। इसी से जीवन में वास्तविक सुख मिलता है।

पाठ का वाचन

एक-एक अनुच्छेद का वाचन स्वयं भी करें और बच्चों से भी करवाएँ। शब्दों के उच्चारण व वाक्यों के उतार-चढ़ाव पर विशेष ध्यान दें। दूसरी बार कहानी पढ़ी जाने पर प्रत्येक अनुच्छेद के बारे में प्रश्न पूछें, ताकि बच्चे एकाग्रचित्त रहें। बच्चों से कहें कि अनुच्छेद पढ़ लेने के बाद अपने साथियों से कुछ ऐसे प्रश्न पूछें जिनके उत्तर उस अनुच्छेद में हों। कहानी के कुछ अंशों के संवादों का कक्षा में नाट्य रूपांतरण भी करें।

महत्वपूर्ण चर्चा

कुलूमू जैसे किसी अन्य साहसी व्यक्ति की कथा के बारे में बच्चों से पूछें।

- क्या 'देशप्रेम' करने वाले युवक पूजनीय होते हैं? क्यों?
- हमारे देश में हुए कारगिल युद्ध की चर्चा करें, जिसमें अनेक युवाओं की जान चली गई।
- बच्चों से उन युवाओं के साहस व बलिदान की बातें करें।